रजिस्ट्री सं० डी०एल०-33004/96 REGD. NO D L -33004/96

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 212] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 12, 1996/अग्रहायण 21, 1918
No. 212] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 12, 1996/AGRAHAYANA 21, 1918

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY
No.
Date
GOVT OF INDIA

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1996

सं. 3/6/96 पब्लिक.—राष्ट्रपति को यह जानकर बहुत दुख हुआ है कि तमिलनाडु के राज्यपाल, डा. एम. चन्ना रेड्डी का 2 दिसम्बर, 1996 को सुबह 7.15 बजे हैदराबाद में निधन हो गया है । उनके निधन से भारत ने एक निपुण राजनीतिज्ञ तथा कुशल प्रशासक खो दिया है।

2. डा. एम. चन्ना रेड्डी का जन्म 13 जनवरी, 1919 को हैदराबाद जिला के सिरपुर गांव में श्रीमती शंकरम्मा तथा श्री लक्ष्मा रेड्डी के यहां हुआ । अपनी प्रारम्भिक शिक्षा के बाद, उन्होंने 1941 में उस्मानिया यूनिवर्सिटी मेडिकल कालेज, हैदराबाद से चिकित्सा-शास्त्र में स्नातक उपाधि प्राप्त की। उन्होंने ज्यादा समय तक चिकित्सा व्यवसाय नहीं अपनाया। वह राष्ट्रीय आन्दोलन में कूद पड़े। पुरानी हैदराबाद रियासत उनकी गतिविधियों का केन्द्र रही। वह हैदराबाद रियासत का भारत संघ में विलय चाहते थे। उन्होंने भारत संघ के आंदोलन में भाग लिया। उन्हें 5 सितम्बर, 1947 को गिरफ्तार कर लिया गया और केन्द्रीय कारागर, हैदराबाद में डाल दिया गया। बाद में, निजाम शासन तथा भारत सरकार के बीच हुए "स्टेण्डस्टिल एग्रीमेंट" के परिणामस्वरूप उन्हें 30 नवम्बर, 1947 को रिहा कर दिया गया।

3. हैदराबाद रियासत के भारत संघ में विलय के बाद, डा. एम. चन्ना रेड्डी 1950-52 के दौरान "अस्थायी संसद" के सदस्य रहे। 1952 में वह हैदराबाद विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वह 6 मार्च, 1952 से 31 अक्तूबर, 1956 तक हैदराबाद की पहली लोकप्रिय सरकार में कृषि, योजना तथा पुनर्वास मंत्री थे। 1962-67 के दौरान, वह आंध्र प्रदेश सरकार में योजना तथा पंचायत राज और वित्त एवं उद्योग मंत्री रहे।

4. हैदराबाद के खाद्य तथा कृषि मंत्री के अपने कार्यकाल में डा. चन्ना रेड्डी ने 1953 में रोम में हुए "कृषि उत्पादकों के अन्तरराष्ट्रीय परिसंघ" के सम्मेलन में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। 1955 में वह रोम मे हुए एफ ए.ओ सम्मेलन में भारतीय शिष्टमंडल के उपनेता थे।

5. डा चन्ना रेड्डी अप्रैल, 1967 में राज्य सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वह 16 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1968 तक इस्पात, खान तथा धातु के केन्द्रीय मंत्री रहे। एक चुनाव अपील पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय के फलस्वरूप उन्होंने मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। अप्रैल, 1968 में वह राज्य सभा के लिए फिर से चुन लिए गए।

6. डा. चन्ना रेड्डी 6 मार्च, 1978 को आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री बने। 10 अक्तूबर, 1980 को उन्होंने मुख्य मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। 3 दिसम्बर, 1989 को वह दूसरी बार आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री बने। लेकिन, अगले ही वर्ष उन्होंने मुख्य मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया।

7. अक्तूबर, 1974 में डा. एम. चन्ना रेड्डी को उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया और वह 1 अक्तूबर, 1977 तक इस पद पर बने रहे। वह 21 अप्रैल, 1982 से 6 फरवरी, 1983 तक पंजाब के राज्यपाल रहे। फरवरी, 1992 में उन्हें राजस्थान का राज्यपाल नियुक्त किया गया। वह 31 मई, 1993 तक इस पद पर बने रहे और फिर तमिलनाडु के राज्यपाल बन गए।

8. डा. एम. चन्ना रेड्डी बहुमुखी प्रतिभा वाले व्यक्ति थे। उन्होंने खेलकूद और बागवानी तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भी गहरी दिलचस्पी ली। वह तेलुगु और उर्दू के धाराप्रवाह वक्ता थे।

9. डा. एम. चन्ना रेड्डी ने देश को अपनी अमूल्य सेवाएं अर्पित कीं। उनकी इन सेवाओं को चिरकाल तक याद किया जाएगा।

के. पद्मनाभय्या, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th December, 1996

No. 3/6/96-Public.—The President has learnt, with deep regret, of the death, in Hyderabad, of Dr. M. Channa Reddy, Governor of Tamilnadu, at 7.15 A.M. on Monday, the 2nd December, 1996. In his passing away, India has lost an astute politician and an able administrator.

2. Dr. M. Channa Reddy was born on 13 Jannuary, 1919 in Sirpur village, Hyderabad District, to Smt. Shankaramma and Shri Lakshma Reddy. After his early education, he graduated in medicine in 1941 from the Osmania University Medical College, Hyderabad. He did not practise medicine for long. He plunged into the national movement. The old Hyderabad State was the scene of his activities. He wanted the Hyderabad State to accede to the Indian Union. He took part in Indian Union Movement. He was arrested on 5 September, 1947 and detained in the Central Jail, Hyderabad. Later, he was released on 30 November, 1947 following the "Standstill Agreement" between the Nizam's Government and Government of India.

3. Dr. M. Channa Reddy was a member of the Provisional Parliament during 1950-52 after the accession of the Hyderabad State to the Indian Union. He was elected as member of of the Legislative Assembly, Hyderabad, in 1952. He was Minister for Agriculture, Planning and Rehabilitation in the first popular Government of Hyderabad from 6 March, 1952 to 31 October, 1956. During 1962-67, he was Minister for Planning and Panchayat Raj and Minister for Finance and Industries, Government of Andhra Pradesh.

4. During his term of office as Food and Agriculture Minister of Hyderabad, Dr. M. Channa Reddy led the Indian delegation to the Conference of the International Federation of Agricultural Producers held in Rome in 1953. In 1955, he was the Deputy Leader of the Indian delegation to the FAO Conference held in Rome.

5. Dr. M. Channa Reddy was elected as a Member of the Rajya Sabha in April, 1967. He was the Union Minister for Steel, Mines and Metals from 16 March, 1967 to 26 April, 1968. He resigned the ministership following the judgement of the Supreme Court on an election appeal. He was re-elected to the Rajya Sabha in April, 1968.

6. Dr. M. Channa Reddy became the Chief Minister of Andhra Pradesh on 6 March, 1978. He resigned the Chief Ministership on 10 October, 1980. He became the Chief Minister of Andhra Pradesh for the second time on 3 December, 1989. However, he resigned the Chief Ministership the following year.

7. In October 1974, Dr. M. Channa Reddy was appointed as the Governor of Uttar Pradesh and held that office till 1 October, 1977. He was the Governor of Punjab from 21 April, 1982 to 6 February, 1983. In February, 1992, he was appointed as the Governor of Rajasthan and held that office till 31 May, 1993, when he became the Governor of Tamilnadu.

8. Dr. M. Channa Reddy was a man of many parts. He took keen interest in sports and horticulture as well as in various cultural activities. He was a fluent speaker in Telugu and Urdu.

9. Dr. M. Channa Reddy rendered yeoman service to the nation which will long be remembered.

K. PADMANABHAIAH, Home Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054 — 1996